कब सुध लोगे नन्दलाल

कब सुध लोगे नन्दलाल, बता दो भक्तों को ॥

*हम कब से तेरी राह खड़े, दर्शन की लेकर चाह खड़े ॥
कब रीझोगे, गोपाल, बता दो भक्तों को ।
कब सुध लोगे नन्दलाल, बता दो भक्तों को ॥

*हम पूछें धीर बंधईया से, गोकुल के कृष्ण कन्हईया से ॥
कब करोगे, हमको निहाल, बता दो भक्तों को ।
कब सुध लोगे नन्दलाल, बता दो भक्तों को ॥

*राहों से कांटे कौन चुने, गर तुम न सुनो तो कौन सुने ॥
हम किसे, सुनाएँ हाल, बता दो भक्तों को ।
कब सुध लोगे नन्दलाल, बता दो भक्तों को ॥

*हम भक्तों की एक अरदासा, कर लो मन मंदिर में वासा ॥
हम चाहें, न धन माल, बता दो भक्तों को ।
कब सुध लोगे नन्दलाल, बता दो भक्तों को ॥
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19027/title/kab-sudh-loge-nand-lal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |